Sustainable Development Goals (सतत विकास लक्ष्य) -

सतत विकास लक्ष्य 2030 की कार्यसूची लोगों की समृद्धि के लिए कार्रवाई की एक योजना है। जो बड़ी स्वतंत्रता के साथ सार्वभौमिक शांति को मजबूत करने का भी प्रयास करता है। सहयोगी साझेदारी में अभिनय करने वाले सभी देशों और सभी हितधारक इस योजना को लागू करेंगे। हम सब गरीबी के अत्याचार से मानव जाति को मुक्त करने और अपने लक्ष्य को ठीक करने तथा सुरक्षित करने के लिए संकल्पित हैं। हम मजबूत और परिवर्तनीय कदम उठाने के लिए दृढ़ हैं, जो दुनिया को एक स्थायी और लचीला पथ पर स्थानांतरित करने के लिए तत्काल आवश्यक हैं। 17 सतत् विकास लक्ष्यों और 169 लक्ष्य, जिस पर हम काम कर रहे है। गरीबी को कम करने के लिए पर्यावरणीय स्थिरता में सुधार के संकेतकों के साथ-साथ सहभागी रणनीतियों पर ज़ोर दिया है।

आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण का लक्ष्य अगले पंद्रह वर्षों में मानवता और ग्रह के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्रवाई को प्रोत्साहित करेगा। विश्व मे निरंतर विकास पर 2012 मे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन हुआ था। जिसमे एसडीजी को संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यीय राज्यों और गैर-सरकारी संगठनों की एक सारणी के इनपुट के साथ विकसित किया गया था।

सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय विकास संतुलन रखने वाले जटिल विकास के मुद्दों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए विश्लेषण आवश्यक है। एक रूपरेखा में टिकाऊ विकास के तीन आयामों को एक साथ लाकर आईएसडीजी मॉडल वैकल्पिक नीतियों के प्रभावों के व्यापक, पार-क्षेत्र और दीर्घकालिक विश्लेषण को सक्षम बनाता है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की मून का कहना है कि जनवरी 2016 में एमडीजी की जगह एसडीजी, छह आवश्यक तत्वों पर आधारित हैं: "गरिमा, लोग, समृद्धि, हमारे ग्रह, न्याय और साझेदारी" जिसपर कई विशेषज्ञों ने ज़ोर देने के लिए अपना ध्यान आकर्षित करने को बल दिया है।

17 Goals

1-No Poverty

2- Zero Hunger

3-Good Health and Well-Being

4- Quality Education

5- Gender Equality

6- Clean Water and Sanitation

7- Affordable and Clean Energy

8- Decent Work & Economic Growth

9- Industry, Innovation & Infrastructure

10- Reduced Inequalities

11- Sustainable Cities and Communities

12- Responsible Consumption and Production

13- Climate Action

14- Life below Water

15- Life on Land

16- Peace, Justice and Strong Institutions

17- Partnerships for the Goals

पिछले 3 साल मे बर्तमान सरकार मे भुखमरी की संख्या मे काफी उतार चढ़ाव हुआ है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन इत्यादि मे काफी परिवर्तन हुआ है।

1- हम चार नजरिए से चार आयाम पर काम करेंगे।
2- हम इसका आंकलन करें और हमारी मांग क्या है इस पर क्या काम हुआ है क्या बाकी है।
3- एक जबाबदेही तैयार होनी चाहिए। वायदों पर निगरानी रखनी होगी।
4- निगरानी पर अलग-अलग प्रयास करे। उसी कड़ी मे एक कदम और आगे चलें।

आज हम जिस रिपोर्ट को आप लोगों के सामने प्रकाशित करने जा रहे है। उसको सिर्फ हमने नही बल्कि काफी संस्थाओ ने मिलकर काम किया है। सबका निरंतर सहयोग मिला है। जिसमे 17 गोल एवं 169 टार्गेट पॉइंट है।

सतत विकास लक्ष्य पर मॉनिटरिंग करने का कंट्रोल नही है। 19 जुलाई को सरकार की ओर से रिपोर्ट आने वाली है। साथ मे हम भी अपनी रिपोर्ट निकालेंगे। जो मोटे-मोटे तौर पर है।

1- सिविल सोसाइटी पर नजरिया क्या है।
2- सबके लिए गरिमा के साथ जीवन
3- किसी को साथ न छोड़े।

हमारा स्पेस घट रहा है। सत्ता से सच बोलना है जिसमे सत्ता कैसे जबाब देय हो एवं राज्य सरकार कैसे जबाब देय बने। मलकान गिरि मे 120 आदिवासी बच्चे मर गए। सरकार ने इसे वीमारी बताया। परंतु वे भूख से मरे है। यहाँ भी सत्ता को जबाब देय बनाना है।

Goals

1- No Poverty

गरीबी एक स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने के लिए आय और संसाधनों की कमी से कहीं ज्यादा है। इसके अभिव्यक्तियों में भूख और कुपोषण, शिक्षा और अन्य बुनियादी सेवाओं तक सीमित महज सामाजिक भेदभाव और बहिष्कार शामिल हैं और निर्णय लेने में भागीदारी की कमी शामिल है। स्थायी विकास प्रदान करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक विकास शामिल होना चाहिए। 836 मिलियन लोग अभी भी अत्यधिक गरीबी में रहते हैं। उच्च गरीबी दर अक्सर छोटे, नाजुक और संघर्ष-प्रभावित देशों में पाए जाती हैं। 2014 में हर दिन 42,000 लोगों को संघर्ष के कारण सुरक्षा के लिए अपने घरों को छोड़ना पड़ा है।

2- Zero Hunger

आज पुनर्विचार करने का समय है कि हम अपने भोजन को कैसे उपभोग करते हैं। कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन सभी के लिए पौष्टिक भोजन प्रदान कर सकते हैं। विश्व स्तर पर आज दुनिया में नौ लोगों में से एक (795 मिलियन) कुपोषित हैं। दुनिया के अधिकांश भूखे लोग विकासशील देशों में रहते हैं जहां 12.9 प्रतिशत जनसंख्या कुपोषित होती है। दुनिया के चार बच्चों में से एक में विकास में वृद्धि हुई है।

3- Good Health and Well-Being

स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और हर उम्र में सभी के लिए कल्याण को बढ़ावा देना स्थायी विकास के लिए आवश्यक है। स्वच्छ पानी और स्वच्छता तक पहुंच बढ़ाने, मलेरिया, तपेदिक, पोलियो और एचआईवी / एड्स के प्रसार को बढ़ाने पर प्रमुख प्रगति की गई है। हालांकि, कई तरह की बीमारियों को पूरी तरह से खत्म करने और कई अलग-अलग स्थायी और उभरते हुए स्वास्थ्य मुद्दों को संबोधित करने के लिए कई प्रयासों की आवश्यकता है। 1990 की तुलना में आज हर दिन 17,000 कम बच्चे मरते हैं, लेकिन 60 लाख से अधिक बच्चे अब भी हर साल अपने पांचवें जन्मदिन से पहले ही मर जा रहे है।

4- Quality Education

विश्व ने मिलेनियम विकास लक्ष्यों (लड़कियों और लड़कों के बीच प्राथमिक शिक्षा तक पहुंच सहित), महिलाओं और लड़कियों के बीच लिंग समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण की प्रगति हासिल कर ली है, दुनिया के हर हिस्से में भेदभाव और हिंसा जारी रहती है। लिंग समानता न केवल एक मौलिक मानवीय अधिकार है, बल्कि शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ दुनिया के लिए एक आवश्यक आधार है।

5- Gender Equality

विकासशील क्षेत्रों में लगभग दो तिहाई देशों ने प्राथमिक शिक्षा में लिंग समानता हासिल की है। 46 देशों में, अब राष्ट्रीय संसद में कम से कम एक कक्ष में महिलाएं 30 प्रतिशत से ज्यादा सीटों पर हैं। कृषि क्षेत्र के बाहर भुगतान किए गए रोजगार में महिलाओं का अनुपात 1990 में 35% से बढ़कर 2016 तक 42% हो गया है

6- Clean Water and Sanitation

हम सभी के लिए स्वच्छ, सुलभ पानी दुनिया में रहने के लिए आवश्यक जरूरी हिस्सा है। खराब बुनियादी ढांचे के कारण, हर साल लाखों लोग, जिनमें से अधिकांश बच्चे, अपर्याप्त पानी की आपूर्ति, स्वच्छता और स्वच्छता से जुड़े रोगों से मर जाते हैं। दुनिया भर के गरीब परिवारों के लिए पानी की कमी, खराब पानी की गुणवत्ता और अपर्याप्त स्वच्छता नकारात्मक रूप से खाद्य सुरक्षा, आजीविका विकल्प और शैक्षिक अवसरों पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। 1990 और 2015 के बीच, एक बेहतर पेयजल स्रोत का उपयोग करते हुए वैश्विक आबादी का अनुपात 76% से बढ़कर 91% हो गया है लेकिन पानी की कमी वैश्विक आबादी का 40 प्रतिशत से अधिक प्रभावित करती है।

7- Affordable and Clean Energy

ऊर्जा लगभग हर प्रमुख चुनौती का केंद्र है। सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, खाद्य उत्पादन या बढ़ती आय के लिए, सभी के लिए ऊर्जा तक पहुंच आवश्यक है। सतत ऊर्जा का अवसर जीवन, अर्थव्यवस्थाओं और ग्रह को बदल देती है 3 अरब लोग लकड़ी, कोयले, लकड़ी का कोयला या खाना पकाने और हीटिंग के लिए जानवरों के कचरे पर भरोसा करते हैं ऊर्जा की कार्बन तीव्रता को कम करना दीर्घकालिक जलवायु लक्ष्यों में एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

8- Decent Work & Economic Growth

सतत आर्थिक विकास के लिए समाज को ऐसी स्थितियों का निर्माण करने की आवश्यकता होगी जो लोगों को गुणवत्ता की नौकरी प्रदान करने की अनुमति देती है। जो पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाते हुए अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करती है। 2007 में वैश्विक बेरोजगारी 170 मिलियन से बढ़कर 2012 में लगभग 202 मिलियन हो गई, जिनमें से करीब 75 मिलियन युवा महिलाएं और पुरुष हैं। 2017 और 2030 के बीच श्रम बाजार में नए प्रवेशकों के लिए विश्व स्तर पर 470 मिलियन नौकरियों की आवश्यकता है।

9- Industry, Innovation & Infrastructure

बुनियादी ढांचे में निवेश - परिवहन, सिंचाई, ऊर्जा, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी - कई देशों में स्थायी विकास और समुदाय को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उत्पादकता और आय में वृद्धि, स्वास्थ्य और शिक्षा के परिणामों में सुधार बुनियादी ढांचे में निवेश की आवश्यकता है। तकनीकी प्रगति पर्यावरण के उद्देश्यों को प्राप्त करने के प्रयासों की नींव है, 2.5 बिलियन लोग दुनिया भर में बुनियादी स्वच्छता की कमी रखते हैं और लगभग 800 मिलियन लोगों को पानी नही पहुंच पा रहा है।

10- Reduced Inequalities

1990 और 2010 के बीच औसत आबादी के आकार में होने वाली आय-असमानता, विकासशील देशों में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई विकासशील देशों में अधिक से अधिक जनसंख्या - 75% से अधिक आबादी-आज समाज में रह रही है, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा किए गए एक वैश्विक सर्वेक्षण में, दुनियाभर के नीति निर्माताओं ने स्वीकार किया है कि उनके देशों में असमानता आम तौर पर उच्च और संभावित रूप से दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए खतरा है संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा किए गए एक वैश्विक सर्वेक्षण में, दुनियाभर के नीति निर्माताओं ने स्वीकार किया है कि उनके देशों में असमानता आम तौर पर उच्च और संभावित रूप से दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए खतरा है

11- Climate Action

वनों की पृथ्वी की सतह का 30% खाद्य सुरक्षा और आश्रय प्रदान करने के अलावा, जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने, जैव विविधता की सुरक्षा और स्वदेशी आबादी के घरों के संरक्षण के लिए वन महत्वपूर्ण हैं। हर साल 13 लाख हेक्टेयर जंगलों को खो दिया जा रहा है, जबकि सूखा क्षेत्रों की लगातार गिरावट ने 3.6 अरब हेक्टेयर

के मरुस्थलीकरण को प्रेरित किया है। गरीबी के खिलाफ लड़ाई में लाखों लोगों के जीवन और आजीविका को प्रभावित किया है।

12- Life on Land

2.6 अरब लोग कृषि पर सीधे निर्भर रहते हैं, लेकिन कृषि के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 52 फीसदी जमीन मिट्टी की गिरावट से मामूली या बुरी तरह प्रभावित होती है 2008 तक भूमि गिरावट ने विश्व स्तर पर 1.5 अरब लोगों को प्रभावित किया। सूखा और मरुस्थलीकरण के कारण हर साल 12 मिलियन हेक्टेयर (23 हेक्टेयर प्रति मिनट) खो जाता है। जहां 20 मिलियन टन अनाज उगाया जा सकता था। विश्व स्तर पर भूमि गिरावट से गरीबों के 74% सीधे प्रभावित हुए हैं।

****रिपोर्ट सिर्फ कागजों मे है। जमीन पर हकीकत बिलकुल अलग है। हमे ओर ज्यादा गोल पर काम करने की जरूरत है। दुनिया की नज़र मे भारत की प्रगति हो रही है। गोल सोसाइटी के लोग अंतिम नागरिक तक जाय और वहाँ से डाटा को इकट्ठा करें। -थॉमस**

अलग -अलग संस्था से आए हुये कुल 12 लोगों ने अलग-अलग गोल पर अपने अपने रिपोर्ट को जनता के सामने रखा। इस कार्यक्रम मे 5 लोग न आ पाने के कारण बाकी बचे विंदु पर चर्चा नही हो पाया।